



289

## व्यायालय नाजम्ब मण्डल, मध्यप्रदेश, म्हालियन

प्र० ३४११-८-८

निगमानी प्र० क्र०

/ जिला-म्हिवनी

मूलचंद पिता बासप्रभाद जाति गौड  
निवासी शोभा म्हिवनी  
तहमील व जिला म्हिवनी

----- आवेदक

विकल्प

म०प्र० बासन द्वारा  
कलेक्टर, म्हिवनी म०प्र०

----- अनावेदक

*Presented  
before me by  
before Presenting  
myself Adm.  
Gather member  
of my  
2 मानगीय महोदय,*  
निगमानी अंतर्गत धाना 50 म० प्र० भू-नाजम्ब मांहिता, 1959  
व्यायालय कलेक्टर, जिला म्हिवनी के प्रकल्प क्रमांक 16/अ-२१/१५-१६  
में पानित आदेश दिनांक ९-८-२०१६ से व्यथित होकर।

आवेदक की ओर से निम्नांकित निवेदन है कि -

1- यहकि, अधीनस्थ व्यायालय का आदेश, अनुचित एवं विधि के उपबन्धों के प्रतिकूल होने से अपार्जन किए जाने योग्य है।

2- यहकि, कलेक्टर, म्हिवनी के नाम से ग्राम शुश्रमीपाल प.ह.नं. 50 बा.नि. सं. शोभा तहमील व जिला म्हिवनी में भूमि शब्दना नं. 245 एवं 256 बकबा क्रमाः 1.24, 0.64 कुल बकबा 1.88 हेक्टर विश्वत है। आवेदक बासकीय गौकबी में होने से भूमि की देवत बेवत नहीं कर पाता है। उम्रकी पली को कैमर होने से उम्रका देहांत हो गया है, और उम्रके इलाज में काफी पैम्हा व्यय हुआ जो उम्रने अन्य व्यक्तियों से उधार

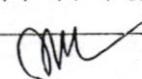
*R.P.*

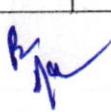
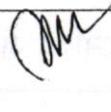
**XXXIX(a)BR(H)-11**

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निग० 3411-एक / 16

जिला – सिवनी

रक्षान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
२९. ९. १६	<p>प्रकरण का अवलोकन किया। यह निगरानी कलेक्टर, जिला सिवनी द्वारा प्रकरण क्रमांक 16/अ-21/15-16 में पारित आदेश दिनांक 09-8-16 के विरुद्ध मोप्र० भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2— प्रकरण का सारांश संक्षेप में इस प्रकार है कि आवेदक द्वारा इस आशय का आवेदन कलेक्टर, सिवनी के समक्ष पेश किया गया कि ग्राम खुरसीपार प.ह.नं. 50 रा.नि.मं. भोमा तहसील व जिला सिवनी में भूमि खसरा नं. 245 एवं 256 रकबा कमशः 1.24, 0.64 कुल रकबा 1.88 हैक्टर स्थित है। आवेदक शासकीय नौकरी में होने से भूमि की देख रेख नहीं कर पाता है। उसकी पत्नी को कैसर होने से उसका देहांत हो गया है, और उसके इलाज में काफी पैसा व्यय हुआ जो उसने अन्य व्यक्तियों से उधार लिया था इस कारण आवेदक उक्त भूमि को गैर आदिवासी व्यक्ति को विक्रय करना चाहता है अतः उसे उक्त भूमि विक्रय करने की अनुमति दी जाये। उक्त आवेदन कलेक्टर द्वारा अनुविभागीय अधिकारी को जांच कर प्रतिवेदन हेतु भेजा गया। अनुविभागीय अधिकारी ने उक्त आवेदन तहसीलदार, को विस्तृत जांच कर प्रतिवेदन हेतु भेजा गया। जिस पर से तहसीलदार द्वारा विधिवत जांच कर तथा आवेदकों के कथन लेने के उपरांत भूमि विक्रय की अनुशंसा का प्रतिवेदन अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से कलेक्टर को प्रस्तुत किया गया है। प्रतिवेदन प्राप्त होने पर कलेक्टर ने आलोच्य आदेश द्वारा</p>	

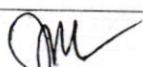
स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>आवेदक द्वारा प्रस्तुत भूमि विक्य का आवेदन निरस्त किया है। कलेक्टर के आदेश के विरुद्ध यह निगरानी इस न्यायालय में पेश की गई है।</p> <p>3/ आवेदक के विद्वान अधिवक्ता द्वारा तर्क दिया गया है कि प्रश्नाधीन भूमि उनके स्वामित्व की होकर पैत्रिक भूमि है शासन द्वारा पट्टे पर नहीं दी गई है। आवेदक शासकीय सेवा में होने से झूमि की देखरेख नहीं कर पाता है। उसकी पल्लि कैसर से पीड़ित थी जिसका देहांत हो गया है, इलाज हेतु उसके द्वारा लिए गए ऋण को वापिस करना है। आवेदक का जीवन यापन का साधन शासकीय सेवा से मिलने वाला वेतन है। जिलाध्यक्ष ने तहसीलदार द्वारा जांच उपरांत प्रस्तुत प्रतिवेदन पर विचार नहीं किया गया है और ना ही प्रकरण के तथ्यों पर न्यायिक रूप से विचार नहीं किया है। कलेक्टर ने बिना किसी प्रकार की जांच कराए एवं आवेदक का पक्ष सुने आवेदन निरस्त कर दिया है। जो न्यायोचित नहीं है। आवेदक अधिवक्ता द्वारा उक्त आधारों पर कलेक्टर के आदेश को निरस्त कर आवेदित भूमि के विक्य की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है।</p> <p>3/ आवेदक के विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया एवं आवेदक अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया। प्रकरण में आये तथ्यों से स्पष्ट है कि आवेदित भूमि आवेदक के भूमिस्वामित्व की पैत्रिक भूमि है शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि नहीं है। आवेदक आदिम जनजाति के सदस्य हैं इस कारण उसके द्वारा संहिता की धारा 165 के प्रावधानों के तहत भूमि विक्य की अनुमति मांगी गई है। प्रकरण में तहसीलदार द्वारा जो प्रतिवेदन पेश किया गया</p>	
		  

## XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निग० 3411-एक / 16

जिला – सिवनी

स्थान तथा दिनांक	कर्यवाही तथा आदेष	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>है उसमें स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि आवेदक को पर्याप्त प्रतिफल मिल रहा है और अंतरण में छल कपट नहीं हो रहा है तथा भूमि विक्रयसे आवेदक के आर्थिक हितों पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रकरण में यह भी स्पष्ट है कि आवेदक शासकीय सेवा में है और बाहर नौकरी करता है। उसके जीवनयापन का मुख्य साधन शासकीय सेवा से प्राप्त होने वाला वेतन है। तहसीलदार द्वारा जो प्रतिवेदन पेश किया गया है उसमें स्पष्ट किया गया है कि भूमि विक्रय में आवेदक पर कोई दबाव नहीं है प्रश्नाधीन भूमि का अंतरण वास्तविक है। उक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए यह पाया जाता है कि आवेदक को आवेदित भूमि के विक्रय की अनुमति दिए जाने में किसी प्रकार की वैधानिक अड़चन नहीं है। कलेक्टर के आदेश से स्पष्ट होता है कि उनके द्वारा उक्त तथ्यों को अनदेखा किया है। अतः प्रकरण की समग्र परिस्थितियों पर विचार के पास यह पाया जाता है कि इस प्रकरण में जिलाध्यक्ष का जो आदेश है वह स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।</p> <p>उपरोक्त विवेचना के आधार पर कलेक्टर, सिवनी द्वारा पारित आदेश दिनांक 09-08-16 निरस्त किया जाता है एवं आवेदक को उसके भूमिस्वामित्व की ग्राम खुरसीपार प.ह.नं. 50 रा.नि.मं. भोमा तहसील व जिला सिवनी में भूमि खसरा नं. 245 एवं 256 रकबा क्रमशः 1.24, 0.64 कुल रकबा 1.88 हैक्टर भूमि को गैर आदिवासी व्यक्ति को विक्रय करने</p>	 

स्थान तथा दिनांक	कर्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>की अनुमति निम्न शर्तों के साथ प्रदान की जाती है :-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1- यदि प्रस्तावित केता वर्तमान वर्ष 2016-17 की गाइड लाइन की दर से भूमि का मूल्य देने को तैयार हो ।</li> <li>2- केता द्वारा विक्य प्रतिफल की राशि ( अनुबंध के समय दी गई अग्रिम राशि को कम करके ) आवेदक के खाते में जमा की जायेगी ।</li> <li>3- उप पंजीयक द्वारा विक्यपत्र का पंजीयन, पंजीयन दिनांक को प्रचलित गाइड लाईन की मान से किया जायेगा ।</li> </ol> <p>पक्षकार सूचित हों ।</p>	 (एम०प० सिंह) सदस्य, राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश गवालियर

